Speech, painting, and craft competition

Organized by: *Department of History and Department of Sociology*

Date On: *13/10/2025*

Today, on 13 October 2025, the Department of History and the Department of Sociology jointly organized a speech and painting competition on the topic "Bihar's Rich Tribal Heritage and Their Invaluable Contributions." The objective of this competition was to raise awareness in society about Bihar's tribal traditions and their contributions. In her address, Principal Professor Sadhana Thakur stated that Bihar's tribal traditions are a symbol of our cultural heritage and identity and unity. She inspired the students by stating that it is our responsibility to recognize and preserve the contributions of tribal society. In this program, students presented the struggles of people's leaders like Birsa Munda, Tilka Manjhi, and Sidhu Kanhu through speeches and paintings. The participants' creativity and expression were commended. The jury announced awards for the best participants. The program began with a welcome address and introduction by Dr. Priy Ranjan of the Department of Sociology. Professor Anjali Prasad of the Department of History and Professor Pushpa Rai of the Department of Sociology also delivered their speeches. Many teachers and students, including Nisha Kumari, Dr. Pooja Kumari, Neelam Kumari, and Simple Kumari, attended the event. Dr. Madhulika Sinha, Head of the History Department, delivered the vote of thanks.

जनजातीय परंपराएं सांस्कृतिक धरोहर की प्रतीक

पटना| अरविंद महिला कॉलेज में बिहार की समृद्ध जनजातीय विरासत एवं उनके अमूल योगदान विषय पर भाषण, चित्रकला और क्राफ्ट प्रतियोगिता हुई। इसका उद्देश्य बिहार की जनजातीय संस्कृति परंपरा और उनके योगदान के प्रति समाज में जागरुकता उत्पन्न करना रहा। प्राचार्या प्रो. साधना ठाकुर ने कहा कि बिहार की जनजातीय परंपराएं हमारी सांस्कृतिक धरोहर एवं अस्मिता का प्रतीक हैं। जनजातीय समाज के योगदान को जानना और संरक्षित करना हमारा दायित्व है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बिरसा मुंडा और सिद्दो-कान्हू जैसे जननायकों के संघर्ष को भाषण व चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया। धन्यवाद ज्ञापन समाजशास्त्र के डॉ. प्रिंस रंजन ने किया। इस अवसर पर प्रो. अंजलि प्रसाद, प्रो. पुष्पा राय, निशा कुमारी, डॉ. पूजा कुमारी के साथ अन्य लोग उपस्थित रहे।

श्रीअरविंद महिला कॉलेज में प्रतियोगिता आयोजित

पटना. श्रीअरविंद महिला कॉलेज के इतिहास विभाग और समाजशास्त्र विभाग के सहयोग से विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया. इसका विषय बिहार की समृद्ध जनजातीय विरासत और उनके अमूल्य योगदान रखा गया है. छात्राओं ने भाषण, चित्रकला और क्राफ्ट प्रतियोगिता में भाग लिया. इस प्रतियोगिता का उद्देश्य बिहार की जनजातीय संस्कृति, परंपरा और उनके योगदान के प्रति समाज में जागरूकता उत्पन्न करना था. प्राचार्या प्रो साधना ठाकुर ने कहा कि बिहार की जानजातीय परंपराएं हमारी सांस्कृतिक धरोहर और हमारी अस्मिता, एकता का प्रतीक हैं. उन्होंने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि जनजातीय समाज के योगदान को जानना और संरक्षित करना हमारा दायित्व है. इस दौरान छात्राओं ने बिरसा मुंडा, सिद्दो-कान्हू जैसे जननायकों के संघर्ष को भाषण और चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया.

डीएमआइ में संगोष्ठी का हुआ आयोजन

विकास प्रबंधन संस्थान (डीएमआइ) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन डिजास्टर मैनेजमेंट ने इंटरनेशनल डे फॉर डिजास्टर रिस्क रिडक्शन पर ज्ञान भवन में फंड रेजिलिएंस, नॉट डिजास्टर पर संगोष्ठी का आयोजन किया. बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (बीएसडीएमए) के उपाध्यक्ष डॉ उदयकांत मिश्रा, डीएमआइ के निदेशक प्रो देबीप्रसाद मिश्रा और आपदा प्रबंधन विभाग के संयुक्त सचिव मो नदीमुल गफ्फार सिद्दीकी ने दीप जलाकर संगोष्ठी का शुभारंभ किया. मुख्य अतिथि डॉ उदयकांत मिश्रा ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से आपदा प्रबंधन की विविध गतिविधियों और नयी पीढ़ी के रुझान पर प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि आपदा का दायरा बढ़ता जा रहा है. कोई भी अभिभावक अपने बच्चों को जोखिम पूर्ण भविष्य सौंपने के पक्ष में नहीं होते हैं.